

RUDRAKSHAR

71
17th February 2017

Monthly Digital Magazine



महाशिवरात्रि
की हार्दिक शुभकामनाएँ

ॐ त्रियम्बकं यजामहे, सुगन्धि पुष्टिवर्धनं, उर्वारुकमिव बन्धनान्, मृत्योर्मोक्षाय मामृतात्



Maha Shivaratri Celebrations

Mahashivaratri Festival or the 'The Night of Shiva' is celebrated with devotion and religious fervor in honor of Lord Shiva, one of the deities of Hindu Trinity. Shivaratri falls on the moonless 14th night of the new moon in the Hindu month of Phalgun, which corresponds to the month of February - March in English Calendar. Celebrating the festival of Shivaratri devotees observe day and night fast and perform ritual worship of Shiva Lingam to appease Lord Shiva.

There are various interesting legends related to the

festival of Maha Shivaratri. According to one of the most popular legends, Shivaratri marks the wedding day of Lord Shiva and Parvati. Some believe that it was on the auspicious night of Shivaratri that Lord Shiva performed the 'Tandava', the dance of the primal creation, preservation and destruction.

Another popular Shivratri legend stated in Linga Purana states that it was on Shivaratri that Lord Shiva manifested himself in the form of a Linga. Hence the day is considered to be extremely auspicious by Shiva devotees and



they celebrate it as Mahashivaratri - the grand night of Shiva.

Devotees will be celebrating the auspicious day by fasting and offering special prayers to Lord Shiva by pouring milk and water on the Shiv ling and adorning it with beautiful flowers.

Maha Shivratri is not just celebrated in India but also in other regions including Nepal, where Lord Shiva is worshipped.

Thousands of devotees take a holy dip at various pilgrim destinations on this occasion.

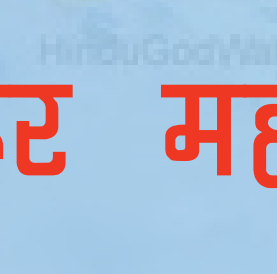
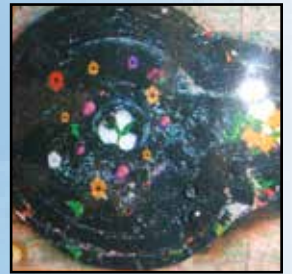
Devotees form long queues in various temples in India to offer prayers and also witness the Rudra Abhishekam of the Almighty. The day is also observed with devotees smearing their bodies with ash.





भगवान शंकर के 12 ज्योतिर्लिंग

नम्बर	ज्योतिर्लिंग का नाम	स्थान	कैसे पहुंचे
1.	सौराष्ट्र में सोमनाथ	गुजरात	जबलपुर सोमनाथ एक्सप्रेस, वेरावल स्टेशन से 8 कि.मी
2.	श्री मल्लिकार्जुन	आंध्र प्रदेश	निजामुद्दिन से, एम पी सम्पर्क क्रांति, कुरुनुल टाउन
3.	श्री महाकालेश्वर	मध्य प्रदेश, उज्जैन	निजामुनि से इंदौर एक्सप्रेस, उज्जैन
4.	श्री ओंकारममलेश्वर	मध्य प्रदेश का खडवा जिला	ब्रॉड गेज स्टेशन खण्डवा, इंदौर, ओंकारमलेश्वर रोड़
5.	श्री वैद्यनाथ	हैदराबाद	पराळी, 26 कि.मी अमेजोगई, बिद जिला
6.	श्री भीमाशंकर	महाराष्ट्र	पुणे से, मनचर से भीमाशंकर
7.	श्री रामेश्वर	तमिलनाडु	चेन्नई, साउथ रेलवे मार्ग वाया त्रिचिन्नापली
8.	श्री नागनाथ	महाराष्ट्र,	हिंगोळी, से 30 कि.मी
9.	श्री विश्वेश्वर	वाराणसी	वाया काशी
10.	श्रीत्रयंबकेश्वर	महाराष्ट्र,	त्रयंक वाया नासिक
11.	श्रीकेदारनाथ	उतराखण्ड	रुद्रप्रयाग वाया गडवाल श्रीनगर
12.	श्री घृणेश्वर	महाराष्ट्र	30 कि.मी. वेरूल वाया औरंगाबाद



हर हर महादेव ।



भगवान शिवके द्वारा सृष्टि

जिस समय सर्वत्र केवल अन्धकार-ही-अन्धकार था न सूर्य दिखायी देते थे न चन्द्रमा, अन्यान्य ग्रह नक्षत्रोंका भी कही पता नहीं था न दिन होता था न रात अग्नि, पृथ्वी जल और वायु की भी सत्ता नहीं थी उस समय एकमात्र सत ब्रह्मा अर्थात् सदा शिव की ही सत्ता विद्यमान थी जो अनादि और चिन्मय कही जाती है उन्हीं भगवान सदा शिवको वेद पुराण उपनिषद तथा संत-महात्मा आदि ईश्वर तथा सर्वलोकमहेश्वर कहते हैं

एक बार भगवान शिव के मन में सृष्टि रचने की इच्छा हुई उन्होने सोचा कि मैं एक से अनेक हो जाऊँ यह विचार आते ही सबसे पहले परमेश्वर शिव ने अपनी परा शक्ति अम्बिका को प्रकट किया तथा उनसे कहा की हमें सृष्टि के लिये किसी दुसरे पुरुष का सृजन करना चाहिये जिसके कंधे पर सृष्टि संचालन का महान भार रखकर हम आनन्द पूर्वक विचरण कर सकें ऐसा निश्चय करके शक्ति सहित परमेश्वर शिव ने अपने वाम अंग के दसवें भाग पर अमृत मल दिया वहाँ से तत्काल एक दिव्य पुरुष प्रकट हुआ उसका सौन्दर्य अतुलनीय था उसमें सत्त्वगुण की प्रधानता थी वह परम शान्त तथा अथाह सागर की तरह गम्भीर था रेशमी पीताम्बर से उसके अंग शोभा द्विगुणित हो रही थी उसके चार हाथों में शंख चक्र और गदा सुशोभित हो रहे थे उस दिव्य पुरुष ने भगवान शिव को प्रणाम करके कहा कि भगवान मेरा नाम निश्चित किजिये और काम बताइये उसकी बात सुनकर भगवान शंकर ने मुसकराकर कहा - वत्स व्यापक होने के कारण तुम्हारा नाम विष्णु होगा सृष्टि का पालन करना तुम्हारा कार्य होगा । इस समय तुम उत्तम तप करो

भगवान शिव का आदेश प्राप्त कर श्री विष्णु कठोर तपस्या करने लगे उस तपस्या के श्रम से उनके अंग से जल धाराये निकलने लगी जिससे सूना आकाश भर गया अंततः उन्होने थककर उसी जल में शयन किया जल अर्थात् नार में शयन करने के कारण ही श्री विष्णु का एक नाम नारायण हुआ

तदन्तर सोये हुये नारायण की नाभि से एक उत्तम कमल प्रकट हुआ उसी काम उसी समय भगवान शिव ने अपने दाहिने अंग से चतुर्मुख ब्राह्मण को प्रकट करके उस कमल पर डाल दिया महेश्वर कि माया से मोहित हो जाने के कारण बहुत दिनों तक ब्रह्मा जी उस कमल कि नाल में भ्रमण करते रहे किन्तु उन्हें अपने उत्पत्ति का पता नहीं लगा अकाशवाणी द्वारा तपका आदेश मिलने पर ब्रह्मा जी ने अपने जन्म दाता के दर्शनार्थ बारह वर्षों तक कठोर तपस्या कि तत्पश्चात उनके सम्मुख भगवान विष्णु प्रकट हुए परमेश्वर शिव की लीला से उस समय वहाँ श्रीविष्णु और ब्रह्मा जी के बीच विवाद छिड़ गया सहसा उन दोनों के मध्य एक दिव्य अग्निस्तम्भ प्रकट हुआ बहुत प्रयास के बाद भी ब्रह्मा और विष्णु उस अग्निस्तम्भ के आदि अन्तका पता नहीं लगा सके अंततः थककर भगवान विष्णु ने प्रार्थना किया की महाप्रभो हम आपके स्वरूप नहीं जानते आप जो कोई भी हो हमें दर्शन दीजिये भगवान विष्णु कि स्तुति सुन कर महेश्वर सहसा प्रकट हो गये और वाले सुरश्रेष्ठगण में तुम दोनों के तप और भक्ति से भली भाँति संतुष्ट हूँ तुम मेरी आज्ञा से जगत कि सृष्टि करो और विष्णु तुम इस चराचर जगत का पालन करो तदन्तर परमेश्वर शिव ने अपने हृदय भाग से रुद्र को प्रकट किया उन्हें संहारका दायित्व सौंपकर वही अंतर्धान हो गये

भिखारिन

रविन्द्रनाथ टैगोर की कहानी

अन्धी प्रतिदिन मन्दिर के दरवाजे पर जाकर खड़ी होती, दर्शन करने वाले बाहर निकलते तो वह अपना हाथ फैला देती

और नम्रता से कहती - बाबू जी अंधी पर दया हो जाए।

वह जानती थी कि मन्दिर में आने वाले सदस्य और श्रधालु हुआ करते हैं। उसका यह अनमान असत्य न था। आने-जाने वाले उनके हाथ पे दो-चार पैसे रख ही देते। अन्धी उनको दुआएं देती और उनको सहृदयता को सराहती। स्त्रिया भी उसके पल्ले में थोड़ा बहुत अनाज डाल दिया करती थीं।

सुबह से शाम तक वह इसी प्रकार हाथ फैलाए खड़ी रहती। उसके पश्चात् मन ही मन भगवान को प्रणाम करती और अपनी लाठी के सहारे झोपड़ी का पथ ग्रहण करती। उसकी झोपड़ी नगर से बहार थी। रास्ते में भी याचना करती जाती किन्तु राहगीरों में अधिका संख्या श्रेत वस्त्रो वालो कि होती, जो पैसे देने कि अपेक्षा झिडकिया दिया करते हैं। तब भी अन्धी निराश न होती और उसकी याचना बराबर जारी रहती। झोपड़ी तक पहुँचते-पहुँचते उसे दो चार पैसे और मिल जाते।

झोपड़ी के समीप पहुँचते ही एक दस वर्ष का लड़का उछलता कुदता आता और उससे चिपट जाता। अन्धी टटोलकर उसके मस्तक को चूमती।

बच्चा कौन है? किसका है? कहाँ से आया है? इस बात से कोई परिचय नहीं था। पांच वर्ष हुए पास-पड़ोस वालो ने उसे अकेला देखा था। इन्हीं दिनों एक दिन संध्या समय लोगों ने उसकी गोद में एक बच्चा देखा, वह रो रहा था अन्धी उसका मुख चुम चुम कर उसे चुप कराने का प्रयत्न कर रही थी। वह कोई असाधारण घटना न थी, अत किसी ने भी न पूछा कि बच्चा किसका है। उसी दिन से वह बच्चा अंधी के पास था और प्रसन्न था। उसको वह अपने से अच्छा खिलाती और पहनाती।

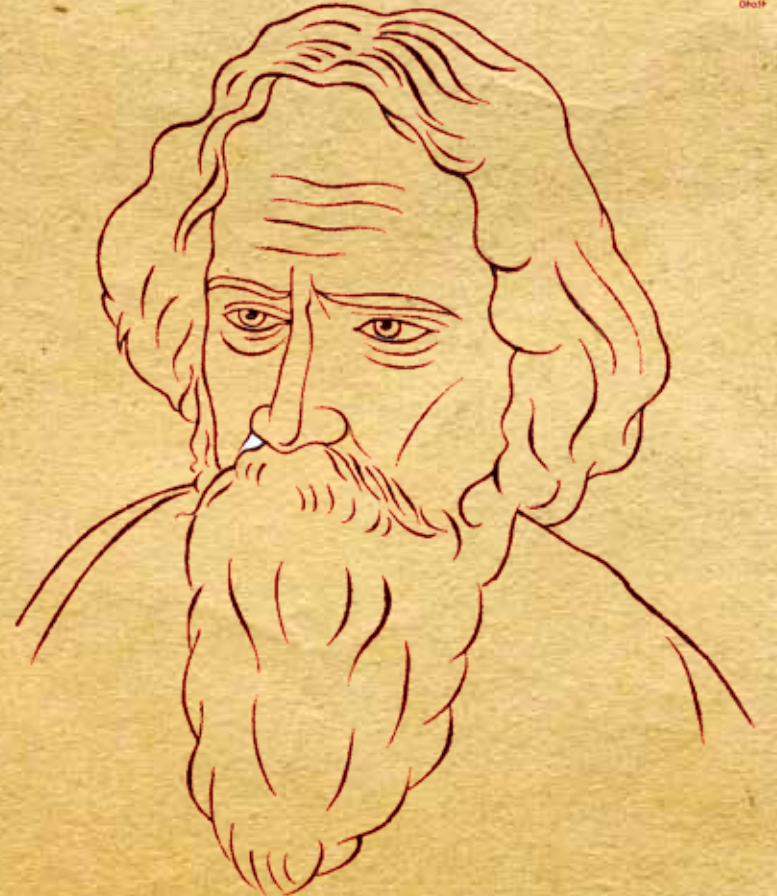
अंधी ने अपने झोपडे में एक हांडी गाड रखी थी। संध्या समय जो कुछ मांगकर लाती उसमें डाल देती और उसे किसी वस्तु से ढांप देती इसलिए कि उसपे दुसरे व्यक्ति कि नजर ना पडें। खाने के लिए अन्न काफि मिल जाता था। उससे काम चलाती। पहलु बच्चे को पेट भर कर खिलाती फिर स्वयं खाती। रात को बच्चे को अपने वक्ष से लगाकर वही पर रहती। प्रातः काल होते ही उसको खिला पिला कर फिर मन्दिर के द्वार पर जा खड़ी होती।

काशी में सेठ बनारसी दास बहुत प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। बच्चा-बच्चा उनकी कोठी से परिचित हैं। बहुत बड़े देश भक्त और धर्मात्मा

हैं। धर्म में उनकी बड़ी रुचि है। दिन के बारह बजे तक सेठ स्नान-ध्यान में संलग्न रहते। कोठी पर हर समय भीड लगी रहती। कर्ज के इच्छुक तो आते ही थे, परन्तु ऐसे व्यक्तियों का तांता भी बंधा रहता जो अपनी पूजा सेठ जी के पास धराहर रूप में रखने आते थे। सैकड़ों भिखरी अपनी जमा पूजा इन्ही सेठ जी के पास जमा कर जाते। अन्धी को भी ये बात ज्ञात थी, किन्तु पता नहीं अब तक वो अपनी कमाई यहाँ जमा कराने में क्यों हिचकिचाती रही।

उसके पास काफि रुपये हो गये थे, हांडी लगभग पूरी भर गई थी। उसको संका थी कि कोई चुरा न ले। एक दिन संध्या समय अन्धी ने वह हांडी उखाड़ी और अपने फटे हुए आँचल में छिपाकर सेठ जी की कोठी पर पहुँची।

सेठ जी बही खाते के पृष्ठ उलट रहे थे, उन्होने पूछा क्या है बुढिया?



अंधी ने हाडी उनके आगे सरका दी और डरते डरते कहा-सेठ जी इसे अपने पास रख लो मैं अंधी अपाहिज कहां रखती फिरुगी। सेठ जी ने हाडी कि ओर देख कर कहा-इसमे क्या है।

अंधी ने उत्तर दिया-भीख माँग-माँग कर अनपे बच्चे के लिए दो चार पैसे संग्रह किये हैं, अपने पास रखते डरती हूँ

कृपया आप इन्हे अपनी काठी मे रख लें।

सेठ जी मुनीम की ओर संकेत करते हुए कहाँ-बही मे जमा कर लो। फिर बुढिया से पूछा-तेरा नाम क्या है

अंधी ने अपना नाम बताया, मुनीमजी ने नकदी गिनकर उसके नाम से जमा कर ली और वह सेठ जी को आशीर्वाद देती हुई अपनी झोपडी की राह चली गई।

दो वर्ष बहुत सुख के साथ बीते। इसके पश्चात् एक दिन लडके को ज्वर ने आ दबाया। अंधी ने दवा दारु की, झाडू फूक से भी काम लिया, टोने टोटके की परीक्षा की, परन्तु सम्पूर्ण प्रयत्न व्यर्थ शावित हुए। लडके कि दशा दिन प्रतिनि खराब होती गई, अंधी का हृदय टूट गया, साहस ने जवाब दे दिया, निराश हो गई। परन्तु फिर ध्यान आया कि संभवतः डॉक्टर के इलाज से फायदा हो जाए। इस विचार के आतक ही वह गिरती-पडती सेठ जी के कोठी पर आ पहुँची। सेठ जी उपस्थित थे।

अंधी ने कहा - सेठजी मेरी जमा-पूँजी में से दस पाँच रुपये मुझे मिल जाए तो बडी कृपा हो। मेरा बच्चा मर रहा है डाक्टर को दिखाउगी। सेठ जी ने कठोर शब्दो मे कहाँ-कैसी जमा पूँजी? कैसे रुपये? मेरे पास किसी के रुपये जमा नही है।

अंधी ने राते हुए जवाब दिया-दो वर्ष हुए मे आपके पास धरोहर रख गई थी। दे दीजिए बडी दया होगी।

सेठजी ने मुनीम की ओर रहस्यमयी दृष्टी से देखते हुए कहा-मुनीम जी देखना जरा, इसके नाम की कोई जमा पूँजी जमा है क्या? तेरा नाम क्या है री?

अंधी की जान मे जान आई, आशा बंधी। पहला उत्तर सुनकर उसने सोचा कि सेठ बेईमानी है, किन्तु अब सोचने लगी सम्भवतः उसे ध्यान न रहा होगा। ऐसा धर्मी व्यक्ति भी भला कही झूठ बोल सकता है। उसने अपना नाम बता दिया। उलट पलट कर देखा। फिर कहा-नही तो, इस नाम पे एक पाई भी जमा नही है।

अंधी वही जमी बैठी रही। उसने रो-रोकर कहा-सेठ जी परमात्मा के नाम पर, धर्म के नाम पर, कुछ दे दीजिए। मेरा बच्चा जी जायेगा। मैं जीवन भर आपके गुण गाऊँगी।

परन्तु पत्थर मे जोक न लगी। सेठ जी ने कुद्र होकर उत्तर दिया-जाती है या नौकर का बुलाऊं।

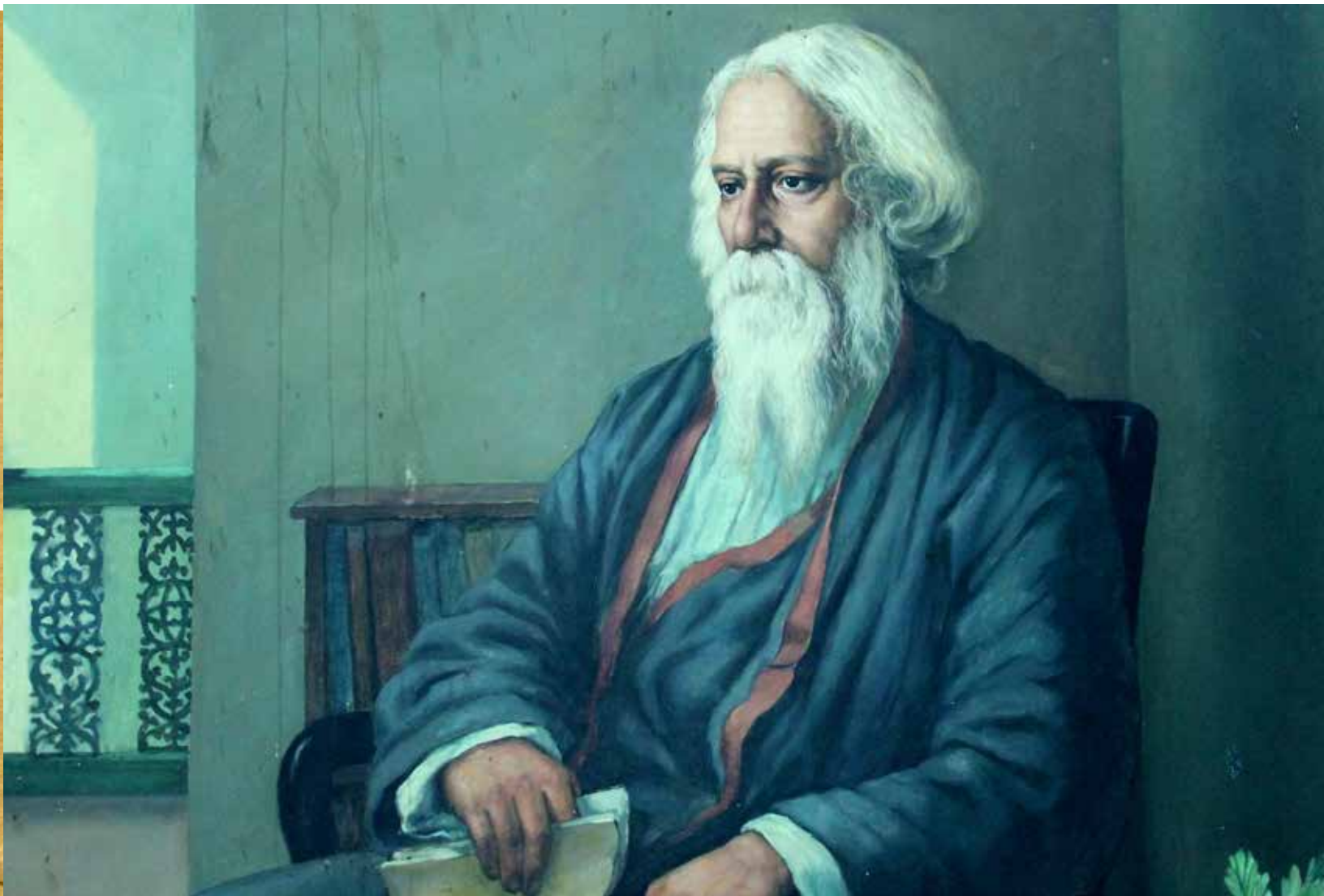
अंधी लाठी टेककर खडी हो गई और सेठ जी की ओर मुँह करके बोली- अच्छा भगवान तुम्हें बहुत दे। और अपनी झोपडी कि ओर चल दी।

यह आशीष न थी बल्कि एक दुखी का शाप था। बच्चे कि दशा बिगडती गई, दवा दारु हुई ही नहीं फायदा क्योकर होता । एक दिन उसकी अवस्था चिन्ताजनक हो गई, प्राणो के लाले पड गये, उसके जीवन से अंधी निराश हो गई सेठ जी पर उसे रह-रहकर गुस्सा आता था इतना धनी व्यक्ति है दो चार रुपये दे देता तो क्या बिगड जाता और फिर मे उससे कुछ दान नही माँग रही थी, अपने ही रुपये माँगने गई थी सेठ जी से घृणा हो गई।

बैठे बैठे उसको कुछ ध्यान आया। उसने बच्चे को अपने गोद मे उठा लिया और ठोकटे खाती, गिरती-पडती, सेठजी के पास पहुँची और उनके द्वार पर धरना दे कर बैठ गई। बच्चे का शरीर ज्वर से भभक रहा था और अंधी का कलेजा भी।

एक नौकर किसी काम से बाहर आया। अंधी को बैठा देखकर उसने सेठजी को सूचना दी, सेठ जी ने आज्ञा दी कि उसे भगा दो।





नौकर ने अंधी से चले जाने को कहा, किन्तु वह उस स्थान से न हिली मारने का भय दिखाया, पर वह टस से मस न हुई उसने फिर अन्दर जाके कहा कि वह नहीं टहली।

सेठजी स्वयं बहार पधारे। देखते ही पहचान गये। बच्चे को देख के उन्हे बहुत आश्चर्य हुआ कि उसकी शकल सुरत उसके मोहन से बहुत मिलती-जुलती है। सात वर्ष हुए मोहन किसी मेले मे खो गया था। उसकी बहुत खोज की, पर उसका कोई पता न मिला। उसे स्मरण हो आया कि मोहन कि जांघ मे एक लाल देग का चिन्ह था। इस विचार के आते ही उन्होने अंधी की गोद के बच्चे कि जांघ देखी। चिन्ह अवश्य था पर पहले से थोडा बड़ा था। उनको विश्वास हो गया कि बच्चा उन्ही को है। परन्तु तुरन्त उसको छीनकर अपने कलेजे से विपटा लिया। शरीर ज्वर से तप रहा था। नौकर को डॉक्टर तुरन्त लाने को कहाँ और स्वयं अंदर चले गये। अंधी खडी हो गयी और चिल्लाने लगी-मेरे बच्चे को न ले जाओ, मेरे रूपये तो हजम कर गये अब क्या मेरा बच्चा भी मुझसे छिनोगे?

सेठजी बहुत चिन्तित हुए और कहा बच्चा मेरा है, यही एक बच्चा है, सात वर्ष पूर्व कही खो गया था अब मिला है, सो इसे कही जाने न दुंगा और लाख यत्न करके इसके प्राण बचाऊंगा।

अंधी ने एक जोर का ठहाका लगाया -तुम्हारा बच्चा है, इसलिए लाख यत्न करके भी उसे बचावागे। मेरा बच्चा होता तो उसे मर जाने देते, क्यों? यह भी कोई ब्याय है? इतने दिनों तक खून पसीना एक कर के उसे पाला है। मैं उसे अपने हाथ से नहीं जाने दूंगी।

सेठजी की अजीब दशा थी। कुछ करते धरते बन नहीं पड़ता था। कुछ देर वह मौन खडे रहे फिर मकान के अन्दर चले गये। अंधी कुछ समय तक खडी रोती रही फिर वह भी अपनी झोपडी की ओर चल दी।

दूसरे दिन प्रातःकाल प्रभु की कृपा हुई या दवा का जादू का सा प्रभाव दिखाया। मोहन का ज्वर उतर गया। होश आने पर उसने आँख खोली तो सर्वप्रथम उसकी जुबान से निकला "माँ"

चहुं ओर अपरिचित शक्ले देख कर उसने अपने ने फिर से

बंद कर लिये। उस समय से उसका ज्वर फिर अधिक होना आरम्भ हो गया। माँ माँ की रट लगी हुई थी, डॉक्टरों ने जवाब दे दिया, सेठ जी के हाथ पाव फूल गये , चंहु ओर अंधेरा दिखाई पडने लगा।

क्या करु एक ही बच्चा है, इतने दिनों बाद मिला भी तो मृत्यु उसको अपने चंगुल में दबा रही है इसे कैसे बचाऊँ।

सहसा उनको अंधी का ध्यान आया। पत्नी को बहार भेजा कहा देखो कहीं वो अभी तक बाहर तो नहीं बैठी हो, परन्तु वह वहाँ कहाँ? सेठजी ने फिटन तैयार कराई और बस्ती से बहार उसके झोपड़ी पर पहुँचे। झोपड़ी बिना द्वार की थी, अन्दर गये। देखा अंधी एक फटे पुराने टाट पर पडी है

और उसके नेत्र से अश्रु धार बह रही है सेठजी ने उसे धीरे से उसको हिलाया। उसका शरीर भी अग्नि कि तरह तप रहा था।

सेठ जी ने कहा-बुढ़िया तेरा बच्चा मर रहा है, डाक्टर निराश हो गए, रह रह कर वो तुझे पुकारता है। अब तू ही उसके प्राण बचा सकती है। चल और मेरे.....नहीं नहीं अपने बच्चे की जान बचा ले।

अन्धी ने उत्तर दिया मरता है तो मर जाने दो, मैं भी मर रही हूँ। हम दोनों फिर माँ बेटे की तरह स्वर्ग लोक में मिल जाएंगे। इस लोक में सुख नहीं है, वहाँ मेरा बच्चा सुख से रहेगा। मैं वहा सुचारु रूप से वहा उसका सुचारु रूप से सेवा करूंगी।

सेठ जी रो दिये आज तक उन्होंने किसी के सामने सिर न झुकाया था। किन्तु इस समय अंधी के पैरों में गिर पड़े और रो-रोकर कहीं-ममता कि लाज रख लो, आखिर तुम भी उसकी माँ हो। चलो तुम्हारे जाने से वह बच जायेगा।

ममता शब्द ने अंधी को विकल कर दिया। उसने तुरन्त कहीं "अच्छा चलो"

सेठजी सहारा देकर उसे बहार लाये और फिटन पर बिठा दिया। फिटन घर की तरफ दौड़ने लगी। इस समय भिखारिन और सेठजी की हालत एक जैसी थी। दोनों की यही इच्छा थी कि जल्दी से जल्दी अपने बेटे के पास पहुँचा जाए।

कोठी आ गई सेठ जी ने सहारा देकर अंधी को उतारा और अन्दर ले गए। भीतर जाकर अन्धी ने मोहन के माथे पर हाथ फेरा। मोहन पहचान गया कि यह उसकी माँ का हाथ है। उसने तुरन्त नेत्र खोल दिये और उसे अपने समीप खड़े हुए देखकर कहीं- माँ तुम आ गई।"

अन्धी ने स्नेह भरे शब्दों में जवाब दिया "हाँ बेटा", तुम्हें छोड़ कर कहा जा सकती हूँ

अंधी भिखारिन मोहन के सिराने बैठ गई और उसने मोहन का सिर अपने गोद में रख लिया। उसको बहुत सुख अनुभव हुआ और वह उसकी गोद में तुरन्त सो गया।

दूसरे दिन से मोहन की हात अच्छी होने लगी और दस पन्द्रह दिन में बिल्कुल स्वस्थ हो गया। जो काम हकीमों जोशान्दे, वैद्यों की पुड़िया और डॉक्टरों के मिक्सचर न कर सके वह अन्धी की स्नेहमयी सेवा ने पूरा कर दिया।

मोहन के पूरी तरह स्वस्थ हो जाने पर अन्धी ने विदा माँगी। सेठ जी ने बहुत कुछ कहा सुना कि वह उन्हीं के पास रह जाए परन्तु वह सहमत न हुई, विवश होकर विदा करना पड़ा। जब वह चलने लगी तो सेठ जी ने एक रुपये की थैली उसके हाथ में दे दी। अन्धी ने मालूम किया, "इसमें क्या है"?

सेठजी ने कहा- "इसमें तुम्हारी धरोहर है, तुम्हारे रुपया। मेरा वह अपराध.....!"

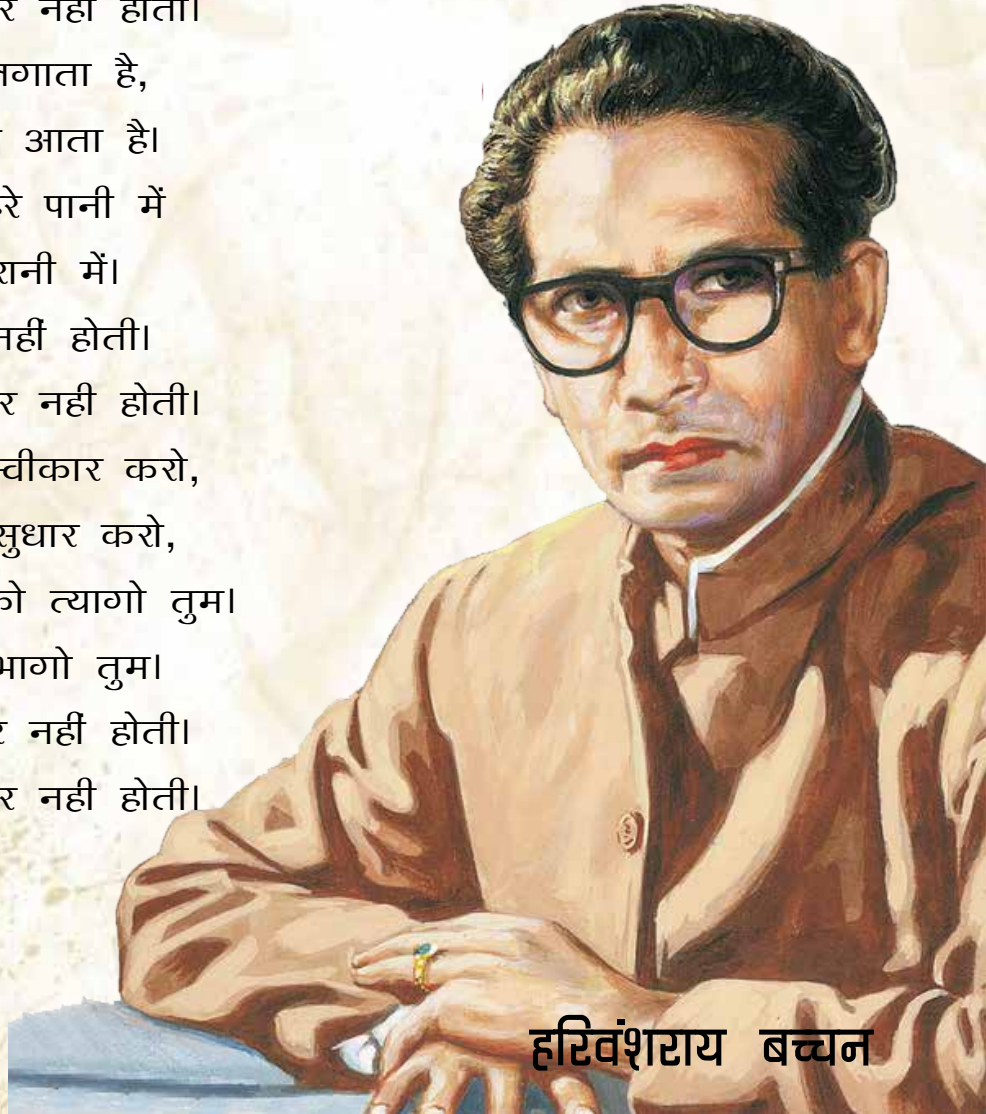
अन्धी ने बात काट कर कहीं-यह रुपये तो मैंने तुम्हारे मोहन के लिए संग्रह किए थे, उसी को दे देना।"

अन्धी ने थैली वही छोड़ दी। और लाठी टेकती हुई चल दी। बाहर जाके उसने फिर उस घर की ओर नेत्र उठाये उसके नेत्रों में अश्रु बह रहे थे किन्तु वह एक भिखारिन होते हुए भी सेठ से महान थी। इस समय सेठ याचक था और वह दाता थी।



कोशिश करने वालों की

लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।
नन्ही चीटी जब दाना लेकर चलती है,
चढती दीवारों पर सौ बार फिसलती है
मन का विश्वास रंगों में साहस भरता है
चढकर गिरता, गिरकर चढना न अखरता है।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।
डुबकिया सिंधु में गोताखोर लगाता है,
जा जाकर खाली हाथ लौटकर आता है।
मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में
बढता दुगना उत्साह इसी हैरानी में।
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती।
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।
असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो,
जब तक न सफल हो, नीद चैन को त्यागो तुम।
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम।
कुछ किये बिना ही जय जयकार नहीं होती।
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।



हरिवंशराय बच्चन

यशु के जज्बात

बैठ गया मे एक कागज और कलम लेके आज
 लिख दूँ दिल की हर बात, हर एक दिली जज्बात
 रहा अपनो के साथ में अपने पन को मारकर
 दे दी जगह उस मकान मे दिलों टूटकर
 खुश था जिन्दगी मे मैं भी सच्चा प्यार पा कर,
 फिर भी क्यों चली गई वो मुझे उसके लिए ठुकराकर
 थामा था हाथ उसने मेरे अतिथ को भूलाकर
 ले गई ये जिन्दगी उसे यशु से चुराकर
 थिरकते रहे कदम मेरे उस कुदरत की ताल पर,
 हँसती रही ये कायनात मेरे बेबस हाल पर
 दिल ने चाहा जिसे वो चाह कर भी मेरा न था
 खाना बदोश सी हो गई जिन्दगी कहीं भी रेन बसेरा न था।
 थम सी गई थी साँसे मेरी पर थके न कदम एक आस मे
 चलते रहें फिर भी उस नवाकिफ मंजिल की तलास में
 क्यों आज दिल मेरा भरा है, यशु बेकस सा क्यों खड़ा है।
 क्यों आज अपनो कि भीड मे सबकी हसरतो से घीरा है।
 क्यों कछुता है मुझे स्नेह सबका नोंक-ए-खर सा,
 क्यों हर रात वो मन्जर-ए-मौत नैनो मे एक ख्वाब सा है,
 क्यों चुभती है मुझे क्यों कछोती है मुझे क्यों रुलाती है मुझे
 वो बाते वो यादें वो पल भर कि मुलाकाते।

कवि - यशु गर्ग
 डिजाइन - गीता नेगी

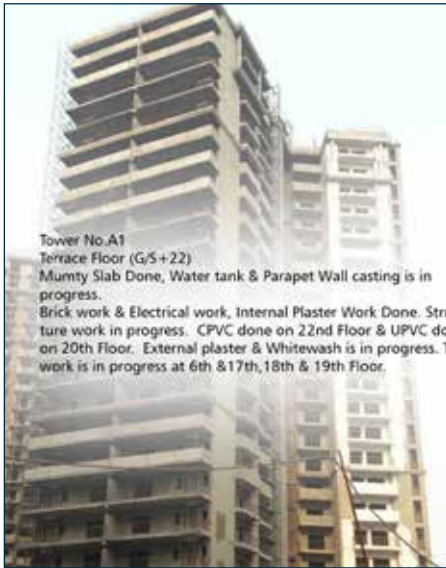


Construction Updates

RUDRA PALACE HEIGHTS

February 2017

A1



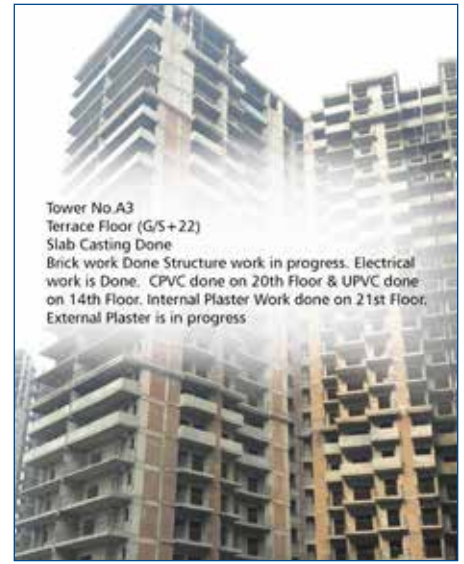
Tower No.A1
Terrace Floor (G/S+22)
Mumty Slab Done, Water tank & Parapet Wall casting is in progress.
Brick work & Electrical work, Internal Plaster Work Done. Structure work in progress. CPVC done on 22nd Floor & UPVC done on 20th Floor. External plaster & Whitewash is in progress. Tile work is in progress at 6th & 17th, 18th & 19th Floor.

A2



Tower No.A2
Terrace Floor (G/S+22)
Slab & Column Casting Terrace to Mumty level Done & Mumty steel inding done
Shuttering is in progress
Brick work & Electrical work is Done. Structure work in progress. CPVC done on 21th Floor. Internal Plaster Work done. External Plaster is in progress. Tile work is in progress at 10th Floor.

A3



Tower No.A3
Terrace Floor (G/S+22)
Slab Casting Done
Brick work Done Structure work in progress. Electrical work is Done. CPVC done on 20th Floor & UPVC done on 14th Floor. Internal Plaster Work done on 21st Floor. External Plaster is in progress

A4



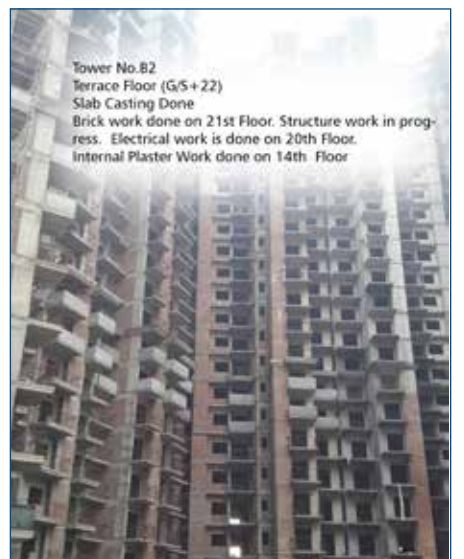
Tower No.A4
Terrace Floor (G/S+22)
Slab & Parapet Wall casting Done.
Brick work Done. Structure work in progress. Electrical work is done. CPVC done on 16th Floor. UPVC done on 4th Floor. Internal Plaster Work is in progress on 22nd Floor. External Plaster is in progress

B1



Tower No.B1
Terrace Floor (G/S+22)
Slab Casting Done
Brick work done on 21st Floor. Structure work in progress. Electrical work is done on 20th Floor. Internal Plaster Work done on 17th Floor. External Plaster is in progress

B2



Tower No.B2
Terrace Floor (G/S+22)
Slab Casting Done
Brick work done on 21st Floor. Structure work in progress. Electrical work is done on 20th Floor. Internal Plaster Work done on 14th Floor

B3



Tower No.B3
Terrace Floor (G/S+23)
Slab Casting Done
Brick work done on 21th Floor. Structure work in progress. Electrical work is done on 16th Floor. Internal Plaster Work is in progress on 8th Floor

B4



Tower No.B4
Terrace Floor (G/S+23)
Slab Casting Done
Brick work done on 21st Floor. Structure work in progress. Electrical Work is done on 11th Floor. Internal Plaster Work done on 8th Floor

B5



Tower No.B5
23rd Floor Level slab casting done & 23rd to Terrace level. Column Steel binding is in progress
Brick work done on 19th Floor
Structure work in progress. Electrical work done on 10th Floor. Internal Plaster Work is in progress on 6th Floor

B6



Tower No.B6
Terrace Floor (G/S+22)
Slab Casting Done
Brick work done on 22nd Floor. Structure work in progress. Electrical work done on 10th Floor. Internal Plaster Work done on 9th Floor



TO WHOM SOEVER IT MAY CONCERN

Subject: Project Status **Palace Heights**

- This is to certify to best of our knowledge that the below mentioned construction status of Project "Palace Heights" at "GH-02B, Sec 1, Greater Noida West" by "Rudra Buildwell Projects Pvt Ltd", holds true as on the date of this document. Latest site images of the respective towers are attached with this document as "Annexure I"

Tower No.	Construction Status	Remarks
A1	Terrace Floor (G/S+22) Mumty Slab Done, Water tank & Parapet Wall casting is in progress.	Brick work & Electrical work, Internal Plaster Work Done. Structure work in progress. CPVC done on 22 nd Floor & UPVC done on 20 th Floor. External plaster & Whitewash is in progress. Tile work is in progress at 6 th , 17 th , 18 th & 19 th Floor.
A2	Terrace Floor (G/S+22) Slab & Column Casting Terrace to Mumty level Done & Mumty steel inding done	Brick work & Electrical work is Done. Structure work in progress. CPVC done on 21 th Floor. Internal Plaster Work done. External Plaster is in progress. Tile work is in progress at 10 th Floor.
A3	Terrace Floor (G/S+22) Slab Casting Done	Brick work Done Structure work in progress. Electrical work is Done. CPVC done on 20 th Floor & UPVC done on 14 th Floor. Internal Plaster Work done on 21 st Floor. External Plaster is in progress
A4	Terrace Floor (G/S+22) Slab & Parapet Wall casting Done.	Brick work Done. Structure work in progress. Electrical work is done. CPVC done on 16 th Floor. UPVC done on 4 th Floor. Internal Plaster Work is in progress on 22 nd Floor. External Plaster is in progress
B1	Terrace Floor (G/S+22) Slab Casting Done	Brick work done on 21 st Floor. Structure work in progress. Electrical work is done on 20 th Floor. Internal Plaster Work done on 17 th Floor. External Plaster is in progress
B2	Terrace Floor (G/S+22) Slab Casting Done	Brick work done on 21 st Floor. Structure work in progress. Electrical work is done on 20 th Floor. Internal Plaster Work done on 14 th Floor
B3	Terrace Floor (G/S+23) Slab Casting Done	Brick work done on 21 th Floor. Structure work in progress. Electrical work is done on 16 th Floor. Internal Plaster Work is in progress on 8 th Floor
B4	Terrace Floor (G/S+23) Slab Casting Done	Brick work done on 21 st Floor. Structure work in progress. Electrical Work is done on 11 th Floor. Internal Plaster Work done on 8 th Floor
B5	23 rd Floor Level slab casting done & 23 rd to Terrace level. Column Steel binding is in progress	Brick work done on 19 th Floor Structure work in progress. Electrical work done on 10 th Floor. Internal Plaster Work is in progress on 6 th Floor
B6	Terrace Floor (G/S+22) Slab Casting Done	Brick work done on 22 nd Floor. Structure work in progress. Electrical work done on 10 th Floor. Internal Plaster Work done on 9 th Floor
	Non Tower	Ground Floor slab casting done (part-6) & Upper Basement slab casting done & Retaining wall & G. Floor shuttering is in progress (part-4,5), & Club Raft Casting is in progress (Club) & STP excavation done & raft is in progress

Please refer sanction plan.

M/s Deepak Mehta & Associates


Architect Deepak Mehta
COA/87/10840
Plot No. 16 Abhishek Plaza LSC
Mayur Vihar Ph-II, Delhi-110037

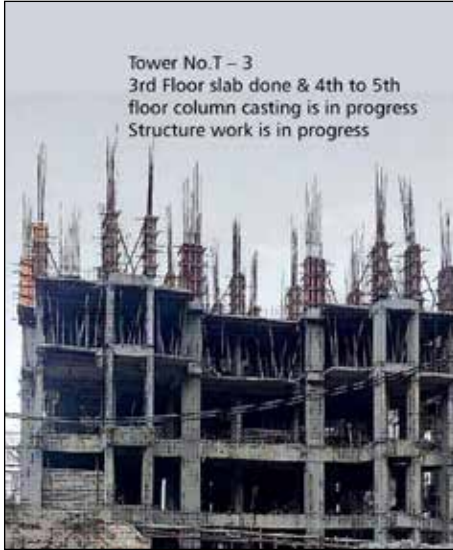
Deepak Mehta
(Architect)

Construction Updates



February 2017

T3



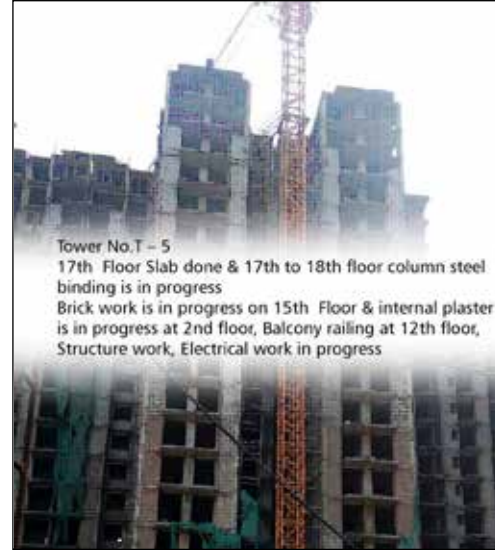
Tower No.T – 3
3rd Floor slab done & 4th to 5th floor column casting is in progress
Structure work is in progress

T4



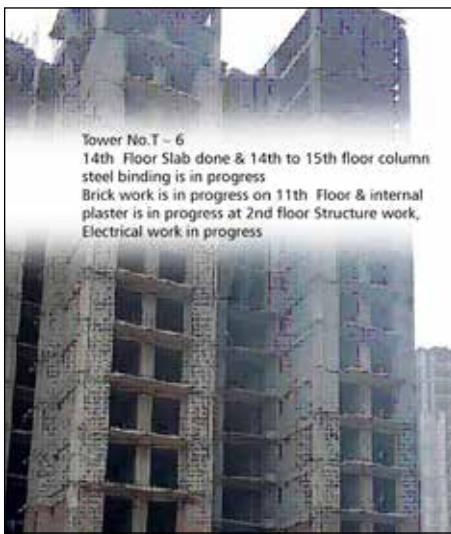
Tower No.T – 4
17th Floor Slab done & 17th to 18th floor column steel binding is in progress
Brick work on 15th Floor & internal plaster at 6th floor,
Electrical work at 7th floor, Balcony railing at 12th floor,
structure work is in progress

T5



Tower No.T – 5
17th Floor Slab done & 17th to 18th floor column steel binding is in progress
Brick work is in progress on 15th Floor & internal plaster is in progress at 2nd floor, Balcony railing at 12th floor,
Structure work, Electrical work in progress

T6



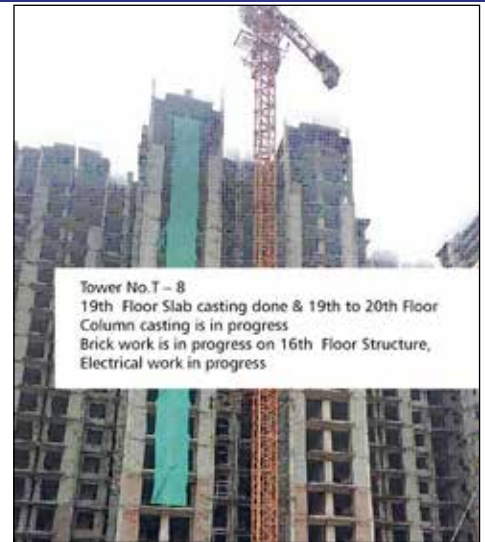
Tower No.T – 6
14th Floor Slab done & 14th to 15th floor column steel binding is in progress
Brick work is in progress on 11th Floor & internal plaster is in progress at 2nd floor Structure work,
Electrical work in progress

T7



Tower No.T – 7
20th Floor Slab done
Brick work is in progress on 18th Floor & internal plaster is in progress at 5th floor Structure work,
Electrical work in progress

T8



Tower No.T – 8
19th Floor Slab casting done & 19th to 20th Floor Column casting is in progress
Brick work is in progress on 16th Floor Structure,
Electrical work in progress

T9



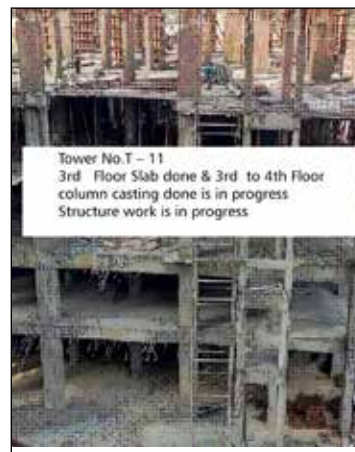
Tower No.T – 9
17th Floor slab shuttering & steel binding is in progress
Brick work is in progress on 14th Floor Structure,
Electrical work in progress

T10



Tower No.T – 10
5th Floor Slab done & 5th to 6th Floor column steel binding is in progress
Structure work is in progress

T11



Tower No.T – 11
3rd Floor Slab done & 3rd to 4th Floor column casting done is in progress
Structure work is in progress

T18



Tower No.T – 18
4th Floor Slab done & 4th to 5th Floor column steel binding is in progress
Structure work is in progress


Dated: 06/02/2017

TO WHOMSOEVER IT MAY CONCERN

Subject: Project status AQUA CASA

This is to certify to best of our knowledge that the below mentioned construction status of Project "AQUA CASA" at "GH – 05A, "Sector – 16, Greater Noida West" by "Rudra Buildwell Homes Pvt Limited", holds true as on the date of this document. Latest site Images of the respective towers are attached with this document as "Annexure I".

Tower No.	Construction status	Remarks
T – 3	3 rd Floor slab done & 4 th to 5 th floor column casting is in progress	Structure work is in progress
T – 4	17 th Floor Slab done & 17 th to 18 th floor column steel binding is in progress	Brick work on 15 th Floor & internal plaster at 6 th floor, Electrical work at 7 th floor, Balcony railing at 12 th floor, structure work is in progress
T – 5	17 th Floor Slab done & 17 th to 18 th floor column steel binding is in progress	Brick work is in progress on 15 th Floor & internal plaster is in progress at 2 nd floor, Balcony railing at 12 th floor, Structure work, Electrical work in progress
T – 6	14 th Floor Slab done & 14 th to 15 th floor column steel binding is in progress	Brick work is in progress on 11 th Floor & internal plaster is in progress at 2 nd floor Structure work, Electrical work in progress
T – 7	20 th Floor Slab done	Brick work is in progress on 18 th Floor & internal plaster is in progress at 5 th floor Structure work, Electrical work in progress
T – 8	19 th Floor Slab casting done & 19 th to 20 th Floor Column casting is in progress	Brick work is in progress on 16 th Floor Structure, Electrical work in progress
T – 9	17 th Floor slab shuttering & steel binding is in progress	Brick work is in progress on 14 th Floor Structure, Electrical work in progress
T – 10	5 th Floor Slab done & 5 th to 6 th Floor column steel binding is in progress	Structure work is in progress
T – 11	3 rd Floor Slab done & 3 rd to 4 th Floor column casting done is in progress	Structure work is in progress
T – 18	4 th Floor Slab done & 4 th to 5 th Floor column steel binding is in progress	Structure work is in progress


M/s Bhatnagar and Associates
BHATNAGAR AND ASSOCIATES
A-2, FLAT No.-C4,
CHATTARPUR ENCLAVE,
PHASE-II, NEW DELHI-110068
Ashish Bhatnagar
(Architect)

Redg. Off. : A-2, Flat No. C-4, Chattarpur Enclave, Phase –II, New Delhi – 68
Branch Off. : D-64, First Floor, Chattarpur Enclave, Phase –I, New Delhi – 74
Phone no : +91-011-263038398, Mob : +91-9811672382, 9891056495
E-mail : ar.ashishbhatnagar@gmail.com, ar.bhatnagar.associates@gmail.com



Construction Updates

February 2017





INCOMING MATERIAL INSPECTION AT RUDRA



Compiled by
Deepika Jindal

Introduction

Incoming inspection is generally called as Raw Material Inspection received against purchase order . This inspection will be activated in the raw material by maintaining SAP QM data in Material Master.

Quality is important all along the supply chain, whether it checking quality at the supplier, monitoring quality along the production line, or checking final quality of the finished items before it is delivered . However, one area that is very important in the monitoring of quality is the inspection of items that arrive at the facility from suppliers. Ensuring that the parts and raw materials are of the correct quality or specifications before the item even enters the site is a key aspect of ensuring total quality of the finished goods. There are some Inspection standard at RUDRA which are followed by our Quality Control team



Inbound Quality Inspection



The purchasing department negotiates with the supplier to ensure that the best quality item is purchased for the best pricing and received in a timely manner. The quality department supplies the purchasing department with specifications that the supplier agrees to and produces materials that must adhere to those specifications. When the items are sent from the supplier to the site, the material may have been checked at the supplier's facility. This may be agreed to as part of the purchasing negotiations but more often than not, this is not possible, especially if the vendor is in a different state.

If the material has not been inspected before it leaves the vendor, then it is inspected

when it is received at site. The quality department provide the warehouse with instructions on how to deal with incoming materials. Not all parts will require inspection and the warehouse staff will need to identify those inbound shipments that will be held for inspection.

Some materials are low-cost supplies, such as HAND GLOVES and DHOTI items that does not be inspected. However, for many items used in the production line, the part or raw material subject to inspection.

Visual Inspection

Items that arrive at the receiving dock first be visually checked for defects or obvious issues.

For example, a drum of chemicals may be visually inspected and if found to be dented or leaking, the item rejected before it is unloaded. Items that are in packaging also be rejected if the packaging is damaged. The quality department have specific instructions for the warehouse depending on the item that is being received.



Sampling

When an inbound delivery arrives for a large number of a particular part, the warehouse may not be required to inspect each and every item. In these cases, the quality department may suggest a sample of the delivery be inspected. The sample size may be determined by the quality department and may depend on the required level of inspection, the quantity of the items received, and the past performance of the vendor to produce items meeting the necessary

specifications.

When the sample has been selected the items can then undergo visual inspection at the receiving dock or detailed inspection by the quality department. Samples of chemical materials may require thorough testing in the lab to determine whether the inbound delivery meets the required specifications.

Failing Inspection

Some products that are received at the site may fail either the initial visual inspection or testing by the quality department. In this case, the quality team then has to determine how to deal with the quality issue. There are a number of scenarios that are employed by Rudra Quality team.

- Reject the Delivery – if the inbound delivery is not up to the quality required then the delivery rejected and sent back to the supplier.
- Return for Replacement – if the items do not meet the specifications, the items returned to the supplier for replacements. This is common when the items are in stock items at the supplier and a quick turnaround can be achieved.
- Rework the Parts – if the delivered items do not meet specification, but the quality department along with the production department believe that they can work with the parts supplied, then the sub-par items reworked to get them up to the specification required. This is an option when it would take weeks or months to get replacements from the supplier and a delivery could be delayed.



- Accept with Discount – if the items do not meet specifications, but the manufacturing department wants to use them elsewhere, then the purchasing department negotiate with the supplier to accept the items with a price discount. If the vendor is unwilling, then the parts will be returned.

GST

GOODS AND SERVICES TAX



Compiled by *Niraj Vishal*

Budget 2017- What Does It Have For GST

After it was almost clear after 9th meeting of GST Council that GST may now be implemented from July, 2017 only, at the earliest, all eyes were on the Union Budget 2017-18 which has since been presented in the Parliament of India on 1st February, 2017.

Only time will tell us whether it is the last Budget for Service Tax, Central Excise and Central Sales Tax and that whether fiscal 2017-18 is going to

be the historic year of transition to biggest ever indirect tax reform in Indian economic space.

There were expectations, and obviously, that Budget may dwell upon GST in detail and pave a way for implementation of GST. Though no clear road map for GST to be in place has been made or announced, there are number of indications which assure us that GST will come, in any case by September, 2017

GST Highlight

Budget Related

- a) No clear cut road map laid
- b) Acknowledges Constitutional Amendment unanimously
- c) Acknowledges State Government's role in resolving issues in GSTC
- d) 9 meetings of GSTC so far, 10th one proposed on 18th February, 2017.
- e) Preparation of IT System for GST on schedule
- f) Substantial progress on GST front
- g) Reach out efforts for trade and industry to make them aware about GST to start from 1st April 2017.
- h) GSTN (IT system for GST) will be ready as per schedule
- i) CBEC for implementation of GST as per schedule without compromising on spirit of co-operation federations.
- j) GST likely to bring more taxes to Centre and States because widening of tax base.
- k) Not many changes in current central excise and Service Tax regime as these will be replaced soon by GST
- l) No change in tax rates of excise duty as well as service tax.
- m) Abolishment of R & D cess is in alignment with GST

The present Budget is focused on TEC, i.e., transform, energize and clean India which contains measures for stimulating growth, digital economy and ease of doing business. It also seeks to facilitate RAPID, i.e., Revenue, Accountability, Probit, Information and Digitalization. There are number of clues on goods and services tax but without any assurance on implementation schedule.

Finance Minister in his Budget speech only stated that he does not propose many change in Service Tax and Central Excise as these will soon be replaced by goods and Service Tax.

In his speech, Finance Minister stated that in the last one year, our country has witnessed historic and impactful economic reforms and policy making. In fact, India was one of the very few economies undertaking transformational reforms. There were two tectonic policy initiatives, namely, passage of the Constitution Amendment Bill for GST and the progress for its implementation and demonetisation of high denomination bank notes. The advantages of GST for our economy in terms of spurring growth, competitiveness, indirect tax simplification and greater transparency have already been extensively discussed in both Houses of Parliament.

There has been substantial progress towards ushering in GST, by far, the biggest tax reform since independence. Since the enactment of the Constitution (One Hundred and First Amendment) Act, 2016, the preparatory work for this path-breaking reform has been a top priority for the Government. In this context, several teams of officers both from the States and Central Board of

Excise and Customs have been working tirelessly to give finishing touch to the Model GST law and rules and other details. Government on its part has promptly given effect to various provisions of the Constitutional Amendment Act, including constitution of the GST Council. Since then, the GST Council held 9 meetings to discuss various issues relating to GST, including broad contours of the GST rate structure, threshold exemption and parameters for composition scheme, details for compensation to States due to implementation

of GST, examination of draft model GST law, draft IGST law and the Compensation Law and administrative mechanism for GST. It is my privilege to inform this august house that the GST Council has finalised its



recommendations on almost all the issues based on consensus and after spirited debate and discussions. The preparation of IT system for GST is also on schedule. The extensive reach-out efforts to trade and industry for GST will start from 1st April, 2017 to make them aware of the new taxation system.

Centre, through the Central Board of Excise & Customs, shall continue to strive to achieve the goal of implementation of GST as per schedule without compromising the spirit of co-operative federalism. Implementation of GST is likely to bring more taxes both to Central and State Governments because of widening of tax net. I have preferred not to make many changes in current regime of Excise & Service Tax because the same are to be replaced by GST soon.



Compiled by
Rashmi Mathur

(Regulation and 2016)

The Real Estate (Regulation and Development) Act, 2016 is an Act of the Parliament of India which seeks to protect home-buyers as well as help boost investments in the real estate industry. The bill was passed by the Rajya Sabha on 10 March 2016 and by the Lok Sabha on 15 March 2016

The Central and state governments are liable to notify the Rules under the Act within a statutory period of six months

Important clauses

One of the most important clauses of the Act stipulates compulsory registration of all the residential real estate projects with plot size more than 500 sq. meters, with the regulator. For this, the developer will need to disclose names of promoters, project layout, plan of development works, land status, status of statutory approvals, draft of builder buyer agreements, and names and addresses of real estate agents, contractors,

architects and structural engineers, to the authority. All this information has to be made available on the regulator's website. Plus, these details have to be regularly updated by the developer. A clear picture of the number of units sold and construction status also has to be disclosed.

Apart from this, a buyer will be able to get information on defaulting developers.

RERA also requires that a written agreement for sale or builder buyer agreement be submitted along with other documents at the time of project registration. The builder-buyer agreement has to be offered for signing to the home buyer before accepting more than 10% of the property value as advance.

Most importantly, the Act makes it mandatory for the developer to open an escrow account for each project. As much as 70% of the money collected against a particular project has to be deposited in this account.

Another problem area that the Act addresses is the ambiguity in selling area (super built-up area) and usable area (carpet area). It has been decided that a developer can sell only on the basis of carpet area.

This helps a home buyer understand how much she is paying for each sq. ft that she will get for her use.

The Act also binds promoters to have the consent of two-thirds (66%) buyers before making any change in the number of units or structural changes.

There are several clauses of penalty also. Incorrect or incomplete disclosure will attract a penalty of 5% of project cost. In fact, the project may even be cancelled if rules are regularly flouted. If a developer leaves a project half-way, for any reason, the association of allottees will have the right to refuse and get their money back with interest. They can also demand from the authority to get the project completed by another developer or any other means.

Salient Features Of The Act Regulatory Authorities

Under this act, it is mandatory for all the states and union territories to establish state level regulatory authorities called Real Estate regulatory authorities (RERAs) within a year of the act coming in to force. It is provided that two or more states can establish a common RERA and

each state/UT can also establish more than one RERA.

Each RERA should consist of a chairperson and at least two full time members with experience in sectors such as urban development, real estate, law and commerce.

Functions of a RERA include

- Ensuring registration of residential projects and ensuring the availability of relevant details on the RERA website
- Ensuring that all the stakeholders such as buyers, sellers, and agents comply with obligations under the Act
- Advising the government on matters pertaining to the development of real estate.

Registration of Projects and Agents

All the residential projects are to be registered under this act. Without registration, the promoters cannot book or sell the projects. However, registration is not required for the projects: Where the area of land does not exceed five hundred square meters or the number of apartments does not exceed eight inclusive of all phases. Involve renovation/repair/re-development without re-allotment or marketing. Also, the state governments can prescribe the lower limits

for exemption. Real estate agents must also register with a RERA in order to facilitate the sale or purchase of property in registered real estate projects.



DUTIES OF THE PROMOTER

- Promoters should make site and layout plans for the project and upload all the relevant details of the project on the website of RERA. They should also update quarterly updates on status of the project.
- In case, if a buyer wishes to withdraw from the project due to loss incurred by him because of a false advertising, then the promoter must return the amount collected with interest to the buyer.
- Promoters must deposit at least 70% of their funds, including land cost, in a separate escrow account to be used for construction purpose only. However, state governments can change this amount below 70%.
- Promoters should not accept more than 10% of the total cost of the property as advance without a written agreement.
- Promoters should help in providing essential services till the association of buyers takes over the maintenance activities.
- Promoters should obtain a completion certificate from the relevant authority.
- In case, if a promoter is unable to give possession of the property, then the money received for the property along with interest has to be returned to the buyer.
- Promoters are responsible for fixing structural defects for five years after transferring the property to a buyer.



Duties Of Buyer

The buyer has to make the required payments as per the agreement signed with the promoter. If there is a delay in payment, then the buyer will be liable to pay interest for the delayed period. Buyers must also cooperate and participate in the formation of an association/society/cooperative society.



Penalties

- Real estate agents have to pay a fine of 10,000 for each day for the violation of provisions of the act.

- If a promoter fails to register the property, he has to pay up to 10% of the estimated cost of the project as a penalty.

- Failure to register the property despite orders issued by RERA will attract imprisonment up to 3 years and or an additional fine of 10% of the estimated cost of the project.

- If a promoter violates any other provision he has to pay up to 5% of the estimated cost of the project.

MAJOR CONCERNS

Since Land comes under the state list, some states have enacted their own laws to regulate the real estate sector. With this act, real challenge would be in the implementation front and would depend upon how the states implement this legislation. At the same time, the contracts and transfer of property fall under the concurrent list; so provisions of the state laws will be overridden by the central law in case of inconsistencies. Some states consider this legislation as an encroachment in to their legislative sphere. Also, other prickly areas in the real estate sector like lack of clear land titles, lengthy project approval process and prevalence of black

money has to be addressed by the states as some of them falls under the legislative competence of state governments. The bill asks the promoter to spend 70% of the project cost on construction activities. In case, if the cost of construction activities is less than 70% and cost of land more than 30%, then some part of the fund collected may remain unutilized while some financing from other sources may be required to cover the land cost. This could raise the project cost. It should also be noted that each state has its own rules on valuation of land further leading to ambiguity.



ESI Notification Regarding ESI Limit increase 15k to 21k



Compiled by
Neena Narang



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 878]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 22, 2016/पौष 1, 1938

No. 878]

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 22, 2016/PAUSA 1, 1938

श्रम और रोजगार मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 2016

सा.का.नि. 1166(अ).—कर्मचारी राज्य बीमा (केन्द्रीय) नियम, 1950 में और संशोधन करने हेतु कतिपय प्रारूप नियम, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 95 की उप धारा (1) द्वारा यथा अपेक्षित, उन सभी व्यक्तियों से जिनकी उनसे प्रभावित होने की संभावना है, उस तारीख से तीस दिन की अवधि समाप्त होने से पूर्व आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित करने हेतु भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खण्ड 3, उपखण्ड (i) में संख्या सा.का.नि. 957(अ), दिनांक 6 अक्तूबर, 2016 द्वारा प्रकाशित किए गए थे, जिस तारीख को सरकारी राजपत्र की प्रतियां जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थीं, की प्रतियां जनता को उपलब्ध करवाई गई थी।

और जबकि उक्त सरकारी राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को 6 अक्तूबर, 2016 को उपलब्ध करवाई गई थी;

और जबकि उनसे संभवतः प्रभावित होने वाले व्यक्तियों से प्राप्त आपत्तियों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया गया है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 95 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा निगम से परामर्श करने के उपरांत, एतद्वारा कर्मचारी राज्य बीमा (केन्द्रीय) नियम, 1950 में और संशोधन करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थातः--

- 1 (1) ये नियम कर्मचारी राज्य बीमा (केन्द्रीय) तृतीय संशोधन नियम, 2016 कहे जाएंगे।
(2) ये 1 जनवरी, 2017 से प्रवृत्त होंगे।
2. कर्मचारी राज्य बीमा (केन्द्रीय) नियम, 1950 में, नियम 50 में, दो स्थानों पर आने वाले "पंद्रह हजार रुपये" शब्दों के स्थान पर "इक्कीस हजार रुपये" शब्दों को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

[फा. सं. एस-38012/02/2013-सा.सु.-I]

राजीव अरोड़ा, संयुक्त सचिव

2 THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY [PART II—SEC. 3(i)]

टिप्पणी: मूल नियम भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या का.नि.आ. 212 तारीख 22 जून, 1950 को प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन अधिसूचना संख्यांक सा.का.नि. 959(अ), तारीख 6 अक्टूबर, 2016 को संशोधित किया गया।

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd December, 2016

G.S.R. 1166(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Employees' State Insurance (Central) Rules, 1950 were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, section 3, sub-section (i) vide number G.S.R. 957(E), dated the 6th October, 2016, as required by sub-section (1) of section 95 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of a period of thirty days from the date on which the copies of the Official Gazette in which the said notification was published were made available to the public;

And whereas, the copies of the said Official Gazette were made available to the public on the 6th October, 2016;

And whereas, objections and suggestions received from persons likely to be affected thereby have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 95 of the said Act, the Central Government, after consultation with the Employees' State Insurance Corporation, hereby makes the following rules further to amend the Employees' State Insurance (Central) Rules, 1950, namely:-

1. (1) These rules may be called the Employees' State Insurance (Central) Third Amendment Rules, 2016.
(2) They shall come into force from 1st day of January, 2017.
2. In the Employees' State Insurance (Central) Rules, 1950, in rule 50, for the words "fifteen thousand rupees" occurring at both the places, the words 'twenty one thousand rupees' shall be substituted.

[F. No. S-38012/02/2013-SS-I]

RAJEEV ARORA, Jt. Secy.

Note: The principal rules were published in the Gazette of India vide notification number S.R.O. 212 dated the 22nd June, 1950 and lastly amended vide notification number G.S.R. 959(E), dated the 6th October, 2016.



Shivratri Offer

राज्य-सभा कोपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी
लाया है।

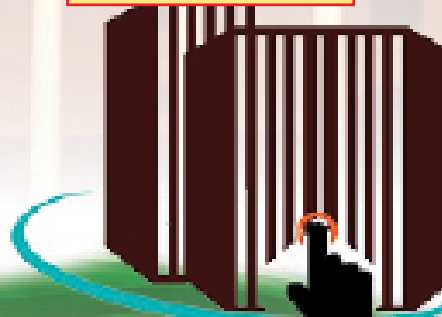
मात्र
₹1 लाख
का
करी

डिजिटल होम्स

Short Hindi Story

2 BHK+Study
(1320 Sq.ft.)

मात्र
₹43.56 लाख में,
जल उपलब्ध

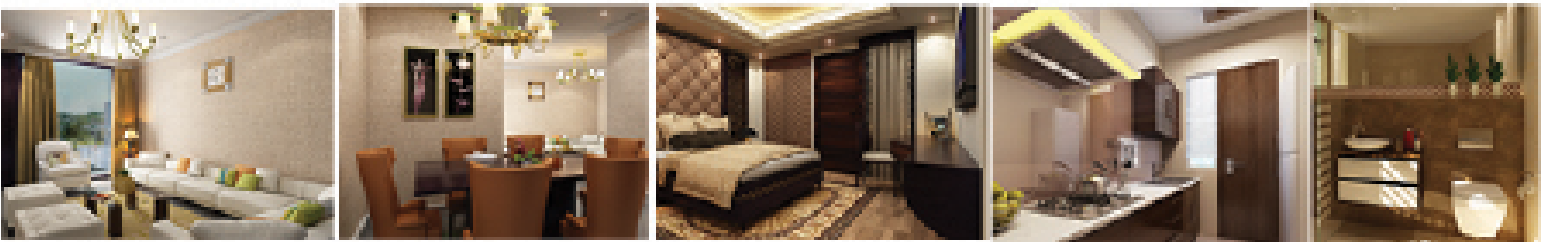


आपके स्थिति स्थल के लिए

सुनहरा अवसर प्राप्त करने का अंतिम मौका

एन.सी.आट में पहली एकमात्र झील । तीनो लाइव ले खुला प्लोट
2.5 एकड़ में बीचोबीच हटियाली । स्वच्छ जल का बड़ा प्लांट, जीट भी बहुत कुछ

लैम्प फर्निचर की फोटो-



अधिक जानकारी के लिए तुरंत संपर्क करें

9560895660/62



ras

RAS CO-OPERATIVE HOUSING SOCIETY LTD.

A-66, Sec 63, Mohla, Uttar Pradesh 201301

e-mail: membership@rajyasabhachs.org

W: www.rajyasabhachs.org

Official Banking Partner for Home Loans





रास



RAS CO-OPERATIVE HOUSING SOCIETY (Operated & Registered By Rajya Sabha Employees)

रास (राज्यसभा) को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी

रास (राज्यसभा) को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी जो की रास (राज्यसभा) के उच्च अधिकारियों श्री प्रदीप चतुर्वेदी (डिरेक्टर आई.टी. राज्यसभा), श्री आशुतोष अवस्थी जी, श्री राजेंद्र प्रसाद तिवारी जी और कुछ अन्य लोगो द्वारा 2014 मे बनायी गयी है जिसका उद्देश्य राज्य सभा, लोक सभा और सेक्रेट्रिएट के कर्मचारियों और उनके परिवार को उच्चतम और हाई एन्ड घर उपलब्ध करना था। अब सोसाइटी की सदस्यता राज्य एवं केन्द्र के कर्मचारियों के लिये खोल दी गयी है।

यह कहाँ स्थित है ?

सहकारी समिति के नियमों के अनुसार, किसी भी एप्लूड भूमि का अधिग्रहण सीजीएचएस द्वारा किया जाता है । लेकिन नोयडा क्षेत्र में भूमि का अधिग्रहण बिल्डिंग प्रणाली से प्राधिकरण द्वारा आवंटित किया जाता है। तो रास को भूमि अधिग्रहण किसी अधिकृत बिल्डर की क्रेडिटीबिलिटी और लीगल अप्रोवल्स जैसे की माइनिंग, फायर फाइटिंग, एयर ट्रेफिक और एनवायरमेंट क्लीयरेंस की जाँच के बाद करनी थी, सोसाइटी के सदस्यों को ध्यान मे रखते हुए जोकि Bureaucrats, Secretariat ऑफिशल्स, संसद सदस्य है रास ने एक 3 साइड ओपन भूमि Demarke की है।

जिसका पता: फ्लाट नंबर 05ए, सेक्टर 16, ग्रेटर नोयडा वेस्ट है।

(14 लेन एन.एच-24 से 800मी. की दूरी पर)

सोसाइटी का सदस्य होने का लाभ

- ◆ एक प्रतिष्ठत समुदाय के मेंबर होने के कारण आपके परिवार को safe और intellectual वातावरण में रहने का मौका मिलता है।
- ◆ समाज के प्रमुख सदस्य निर्माण कार्य का मासिक मूल्यांकन द्वारा निर्माण की गुणवत्ता का ख्याल रखेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि आपका फ्लैट समय पर आपको मिल जाए ।
- ◆ सोसाइटी का मेंबर होने के बाद आपको लिए इजी लोन की सुविधा सरकारी बैंकों से उपलब्ध होगी। (आपके फाइनेंसियल पर निर्भर करता है)

Contact: 9560895660/62

SMART FEATURES



Smart Door Lock



Smart Smoke Sensor



Smart Security Device



Smart Gas/Fire Sensor



Smart Lights/Bulbs



Occupancy Sensor



Smart Switches

परियोजना के लाभ

पहली बार ऐसी सोसाइटी लॉन्च हुई है जो नेचर और टेक्नोलॉजी एक मिश्रण है

नेचर में शामिल है

- ◆ The first lake city of NCR with artificial manmade lake with Flowing water
- ◆ Green Building with IGBC certified Gold rating standards
- ◆ 1492 trees to be Dedicated with mothers name of the flat owners as memories
- ◆ 10000 sq mt of Central Green Area
- ◆ Open layout with Sunlight and fresh air

Smart Society

- ◆ Facility management through your mobile
- ◆ Visitor management (Smart Cards Facility)
- ◆ Surveillance through CCTV Daily security report
- ◆ Staff management and vendor management
- ◆ Online complaint, handling / Vehicle handling

फ्लैटो की सूची इस प्रकार है।

Area (Sq.ft.)	Unit	No. of Unit	Cost of Booking	Booking Amount
2265	4BHK + Servant	21	69.08 Lac	2 Lac
1840	3BHK + Servant	42	56.12 Lac	1.5 Lac
1450	3BHK	33	44.22 Lac	
1320	3BHK+ Study	50	40.26 Lac	1 Lac
1055	2BHK	10	32.17 Lac	

सोसाइटी में शामिल होने की शर्तें:

1. संसद के अधिकारी, मंत्रालय सरकारी कर्मचारियों के लिए बुकिंग के समय ID Card अनिवार्य है
2. फ्लैटो का आवंटन लकी ड्रा के द्वारा होगा

W : www.rajyasabhachs.org

E : membership@rajyasabhachs.org

Construction Partner

RUDRA
Lifestyle Statements

Member

CREDAI





Address- A/6, Sector - 63, Noida, Tel. - 0120-479699, Email : membership@rajyasabhahcs.org, Web. - www.rajyasabhahcs.org



PRESENTS
SMART DIGITAL HOMES

2 BHK+ Study
1320 sq.ft.
Luxury Homes

RAS (RAJYA SABHA CO-OPERATIVE HOUSING SOCIETY)

(Operated & Registered By Rajya Sabha Employees)

Rajya Sabha Cooperative Housing Society LTD also known as RAS which was founded by some officials of Rajya Sabha Secretariat which includes Mr Pradeep Chaturvedi (OSD to Lok Sabha Speaker), Mr Ashutosh Awasthi , Mr . Rajendra Prasad Tiwari in 2014, which was having a mission to provide High End apartments to the employees of the Rajya Sabha and Lok Sabha Secretariat and their families and friends.

FEATURES

- SMART DOOR LOCK
- SMART SECURITY DEVICE
- SMART SMOKE SENSOR
- SMART LIGHTS / BULBS
- SMART SWITCHES
- SMART OCCUPANCY SENSOR
- SMART DOOR BELL

Smart Door Lock

- In-line and outside LCD touch screen & electronic code pad
- Accelerometer detects whether door is open or close
- Internal Speaker, Internal noise canceling microphone

Home Security System

- Watch live from anywhere at anytime
- Automatically changes modes when you enter and leave your house
- When motion is detected, alerts are sent to your phone

Smart Switches

- Light your home the way you want.
- The Wi-Fi enabled Smart Switch allows you to turn lights on and off from anywhere.
- It works with your existing Wi-Fi network and anywhere

Smoke & CO Detector

- Voice alarms with custom location
- Detects carbon monoxide
- Heads-Up alerts, Nightly Promise, Path light
- Occupancy sensor, 117° field of view

Smart LED Bulbs

- Turn lights on, off or dim individually or as a group — from anywhere
- Create custom schedules and control for your LED lights individually or as a group
- Simulated Occupancy lets you turn your lights on and off automatically making it look like you're home.

Smart Lightening System

- Play with light and choose from 16 million colors to match the light to your mood
- Sync lights with movies & music
- Ease your sleeping routine and waking up gently for a fresh start of each day.

Gas & CO Sensor

- Protect Your Home from Dangerous Gas Leaks
- Intelligent Sensor Suspicious Position
- Support Custom Intelligent Alerts

Occupancy Sensors

- Automatically turn lights on when you enter a space and off when you leave.
- Sensor watches passive infrared (PIR) or dual-beam eye sensing motion
- Provide coverage for major, minor and fine motion

1. All natural FIVE elements VIZ., Air, Water, Earth, Fire & Ether have been acquired in ABUNDANCE IN design features

This is the only project in Greater Noida West which captures the natural air is flowing since oriented in all the flats and in all the rooms by its very design.

Air

Water: Lake created in front of the Towers is bringing impact of Oasis in a desert of Concrete Jungle.

Water

Three sided open plot having 2.5 Acres of Central park will have 1600 Trees Planted in the names of the mother of the family.

Earth

Directional positioning of all towers brings maximum positive energy level as per Vast.

Fire

Green Area declared within and outside the project brings enough space for the residents to deliver health as an inheritance for their generations to come.

Either

2. No Tower has shadow on the other sixteen falling to stop the Sunlight. Each Flat is three side open for perfect confidentiality & Private living
3. Water supplied will be potable which will not only protect health of residents but will also of equipment in the household viz. Fittings & Geysers
4. Location is 800 Meters from upcoming 14 Lane Highway on NH24, 1.5 Kms from NH 51.Metro 1.5 Kms backed by Feeder Busses.
5. Smart Homes with Opti Fibre Netwrok for integration of TV,Net,Telephony and phone handset remote controlled home automation concept homes.

Lifestyle Statement

- The First Lake City in NCR
- 3 Side Open corner plot
- 2.5 acres of central green
- Parking space for 3000 cars against the 1500 accommodations
- Podium based architecture
- Business lounge for external meetings.

- Centralized Water treatment plant for potable water.
- Sewage Treatment plant.
- Swimming pool and Club house for residents
- Amphitheatre for Society function
- Commercial complex at the entrance
- Dual elevator in each tower
- Quality product, finest material and fastest construction

Call: 9560895660-62

W : www.rajyasabhachs.org

E : membership@rajyasabhachs.org

Construction Partner

RUDRA
Lifestyle Statements

Member

CREDAI



RUDRA
Lifestyle Statements

RUDRA
UNO
SECTOR-150, NOIDA



बैंक ऑफ महाराष्ट्र
Bank of Maharashtra
भारत सरकार का उद्यम
एक परिवार एक बैंक

₹74.25 Lac

Unit size (1650, 3BHK..)

All inclusive

Best Project
in Noida

Contact for more info:

9560895664

RUDRA

Lifestyle Statements

Apac Buildtech Private Limited

Regd. Office: D-53, Okhla Phase-I, New Delhi

Corp. Office: A-66, Sector-63, Noida • Tel: 0120-4769999

• Site Office: Plot No-SC-01/B6, Sports city, Sector 150, Noida (U.P)

Contact: 99993 74018

Email: rbd@rudrabuildwell.com • www.rudrabuildwell.com

ARCHITECT

BAA

**BHATNAGAR
AND
ASSOCIATES**



Project From Rudra
a
Member
of

CREDAI

Approved Banks



Proposed Banks

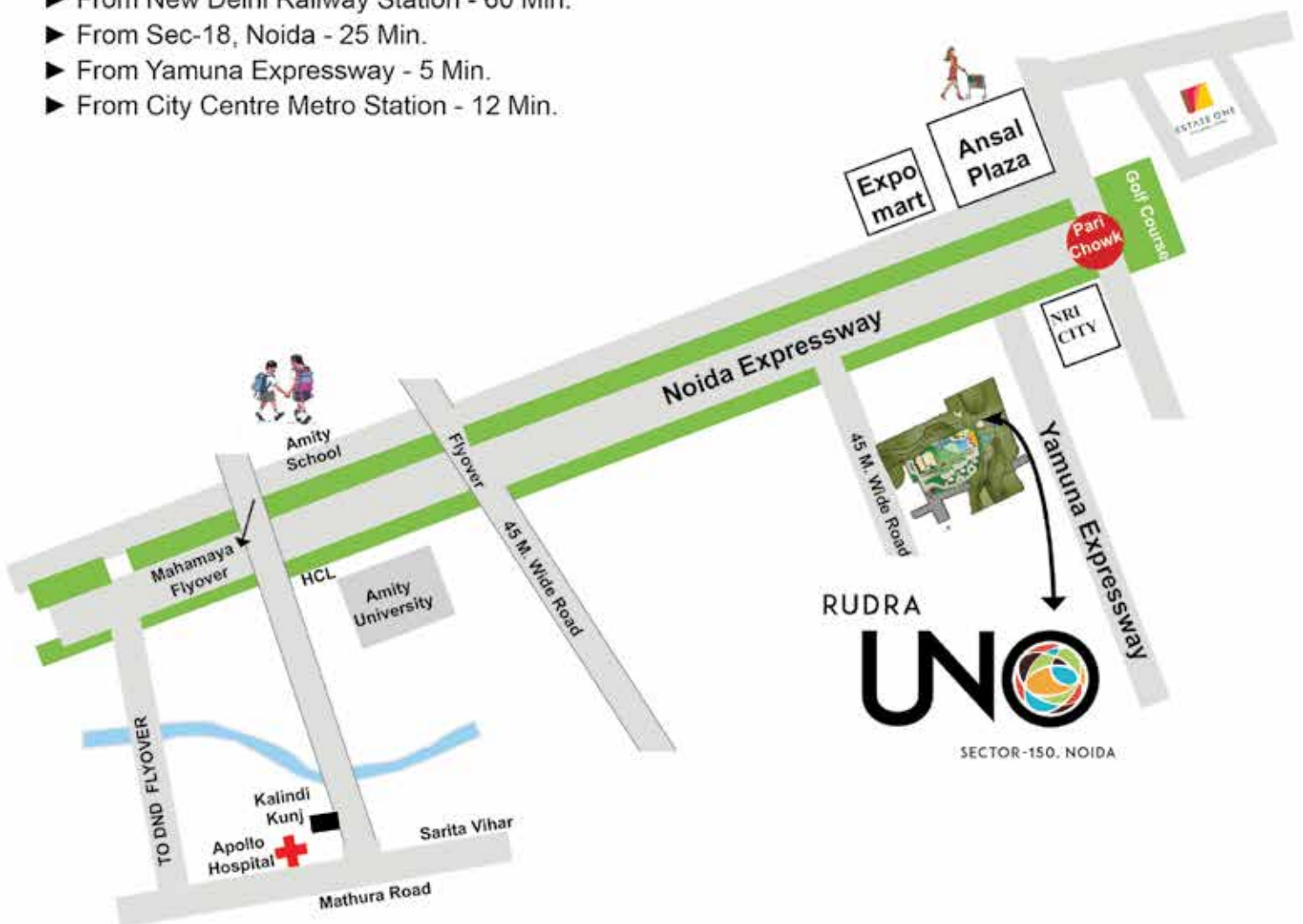


PRESENTS
SMART
DIGITAL HOMES

LIVE IN SMART SOCIETY & SMART HOME

Road Map

- ▶ Proposed Metro Station from Pari Chowk - 10 Min.
- ▶ From International Airport - 80 Min.
- ▶ From New Delhi Railway Station - 60 Min.
- ▶ From Sec-18, Noida - 25 Min.
- ▶ From Yamuna Expressway - 5 Min.
- ▶ From City Centre Metro Station - 12 Min.





PRESENTS
SMART
 DIGITAL HOMES



Noida's First **SMART** Digital Society and Homes

- ▶ 3 Tier Security | Computerized Visitor Management | Time Based | Smart Cards Entry |
- ▶ Internal Tracking | Visitor Photo | E-mail Alerts | Mobile Notifications | Online Surveillance
- ▶ The Lake of 1Km. (approx) length with 60 feet on widest side.
- ▶ 3 side open plot facing green belt in concrete jungle of Noida Extension.
- ▶ Podium based most modern architecture.
- ▶ One of the best open layout : sunlight and fresh air assured in all 1400 flats.
- ▶ Centralized Water Treatment Plant removing high acid salts, damaging human health on consumption and CP sanitary fittings.
- ▶ Mechanized car washing system, optical fibre connected flats and business lounge.
- ▶ IGBC & GRIHA Certified Green Building Project with Gold Standards and rating.
- ▶ 1492 trees to be planted in the name of mothers of the flat owners as memories forever.

LIVE LIFE.....DIGITAL STYLE

1st time in
Greater
Noida

The Lake City with SMART DIGITAL HOMES



RUDRA
AQUACASA
The First Lake City
2, 3 & 4 BHK LIFESTYLE APARTMENTS
GH 05A, SECTOR 16, GREATER NOIDA (WEST)

Unit size -

1320 sq.ft
2BHK + Study

Contact for more info: **9560895660/62**